ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

प्रो. सुरेश शर्मा

विभागाध्यक्ष

नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग

दिनांक :

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री मनीष कुमार ने डॉ. ओमप्रकाश भारती के निर्देशन में **'भरत मुनि प्रतिपादित अभिनय सिद्धान्त के परिप्रेक्ष्य में सरायकेला छऊ का अध्ययन और विश्लेषण'** विषय पर अपना लघु शोध प्रबंध कार्य पूरा किया है। यह लघु शोध प्रबंध सृजन विद्यापीठ के नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग के एम.फिल. की उपाधि हेतु सत्र : 2012-13 के लिए जमा किया गया है।

मैं इस लघु शोध प्रबंध को मूल्यांकन हेतु सहर्ष अग्रसारित करता हूं।

(प्रो. सुरेश शर्मा)

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

डॉ. ओमप्रकाश भारती
एसोसिएट प्रोफेसर
नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग

दिनांक :

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री मनीष कुमार ने मेरे निर्देशन में **'भरत मुनि प्रतिपादित अभिनय सिद्धान्त के परिप्रेक्ष्य में सरायकेला छऊ का अध्ययन और विश्लेषण'** विषय पर अपना लघु शोध प्रबंध कार्य पूरा किया है। यह लघु शोध प्रबंध सृजन विद्यापीठ के नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग के एम.फिल. की उपाधि हेतु सत्र : 2012-13 के लिए जमा किया गया है। यह कार्य पूर्णत: मौलिक एवं स्वतंत्र है और इसे अन्य किसी भी उपाधि के लिए नहीं प्रस्तुत किया गया है।

(डॉ. ओमप्रकाश भारती)

घोषणा –पत्र

मैं मनीष कुमार, घोषणा करता हूँ कि एम. फिल. के लिए प्रस्तुत **"भरत मुनि प्रतिपादित अभिनय सिद्धान्त के परिप्रेक्ष्य में सरायकेला छऊ का अध्ययन और विश्लेषण"** विषय पर लघु शोध प्रबंध मेरा पूर्णतः मौलिक कार्य है। इसका कोई भी अंश किसी किसी दूसरे संस्थान में किसी भी उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है। इस लघु शोध के लेखन में जिन पत्रिकाओं, लेखों तथा पुस्तकों की सहायता ली गई है, उसका उल्लेख संदर्भ सूची में कर दिया गया है।

स्थान:.....

दिनांक:.....

मनीष कुमार

नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग
एम.फिल. द्वितीय छमाही, सत्र-2012-1013
महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय
वर्धा- 442005, महाराष्ट्र

आभार

पहला आभार मैं अपनी अम्मा को देना चाहता हूँ जिसने मिट्टी के खिलौने, घरौंदे और गोबर,गेरू से चित्र बनाना सिखाया दूसरा अपने पिता को जिनसे हर हाल में अपने अधिकार के लिए लड़ते रहना सीखा। व अपने बड़े भाइयों, भाभियों और दीदी का जिनसे संरक्षण जैसे शब्द का व्यावहारिक अर्थ जाना।

इस शोध के लिए आभार- इस शोध के निर्देशक डॉ॰ ओमप्रकाश भारती जी का जिन्होंने हर संभव सहायता की, तथा विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सुरेश शर्मा जी का जिन्होंने इस विषय में शोध हेतु अनुमति दी। साथ ही विभाग के सभी शिक्षक डॉ॰ सतीश पावड़े, डॉ॰ रयाज़ हसन, डॉ॰ विधु खरे व इस विभाग की कर्मचारी प्रगति मिरगे और हेमा जी का आभार।

मेरे विषय पर बात-चीत करने व शोध से संबन्धित सामग्रियाँ उपलब्ध करने के लिए (छऊ नर्तक) भूमिकेश्वर जी का आभार। साथ ही जिन संस्थानों से शोध सामाग्री एकत्रित की गई उन संस्थानों में संगीत नाटक अकादमी व गंगनाथ झा संस्कृत वि॰ वि॰ इलाहाबाद का आभार।

अंत में कुमार गौरव, भागवत प्रसाद, नीरज, सुनीता, सुरभि, अरविंद, मेघा,आशीष, जय प्रकाश, रवि, अशोक, अश्विनी (भैया) और अपने उन सभी मित्रों का आभार जिन्होंने व्यावहारिक तथा सांकेतिक रूप से मदद की।

अनुक्रमणिका

अनुक्रम	पृष्ठ संख्या
भूमिका	**1- 4**
अध्याय-प्रथम	
1. भरत मुनि प्रतिपादित अभिनय सिद्धान्त।	**6-36**
1.1 अभिनय का उद्भव	**6-10**
1.2 भरत मुनि प्रतिपादित अभिनय	**11-36**
अध्याय-द्वितीय	
2. सेराएकला छऊ परम्परा, अनुष्ठान एंव स्वरूप।	**37-63**
2.1 सरायकेला - ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	38-39
2.2 छऊ- उद्भव	40-41
2.3 छऊ- परम्परा	42-43
2.4 छऊ- अनुष्ठान	43-47
2.5 छऊ नृत्य का- स्वरूप	47-50
2.6 छऊ की- संगीत योजना	50-53
2.7 छऊ नृत्य में होने वाले विषयवस्तु (नृत्यों, एपिसोडों) के नाम।	54-63
अध्याय-तृतीय	
3. सेराएकला छऊ के प्रमुख अखाड़े, गुरु, एंव कलाकार।	64-81

अध्याय-चतुर्थ

4. सेराएकला छऊ में अभिनय। **82-97**

4.1 आंगिक अभिनय **83-91**

4.2 आहार्य अभिनय **91-97**

अध्याय-पंचम

5. भरत द्वारा प्रतिपादित अभिनय पद्धति एंव सेराएकला छऊ की अभिनय पद्धति के अन्तः संबन्धों का विश्लेषण। **98-121**

5.1 भरत मुनि प्रतिपादित आंगिक अभिनय और
छऊ की अभिनय पद्धति **100-114**

5.2 भरत मुनि प्रतिपादित आहार्य अभिनय और
छऊ की आहार्य पद्धति **115-121**

उपसंहार **122-125**

परिशिष्ठ **126-137**

संदर्भ ग्रंथ **138-140**